

महफिल रूहा दी मेरे सतगुरु लाई है

महफिल रूहा दी मेरे सतगुरु लाई है
जेहडा आ वडया उहु मस्ती छाई है

आओ सईयो जी कुट पिके देखो जी
पहले पिके ते फिर जीके देखो जी
जेहडा पी लेनदा उसने होश गवाई है
जेहडा.....

लोहा पारस सोहना बन जानदा है
मेरा सतगुरु अपने जेहा बनान्दा है
युती दे नाल सतगुरु कुट पीलाई है
जेहडा.....

जेहडा पी लेनदा उसदी दशा अनोखी है
लेकिन सईयो नी एह पौडी ओखी है
जेहडा पी लेनदा करम कमाई है
जेहडा.....

सतगुरु मेरे ने जेहडे भर भर देन्दे ने
दुनिया मतलब दी जो कुछ ना देन्दी है
आशिक प्रेमी ने इक विक लगाई है
जेहडा.....

स्वर : [अलका गोएल](#)

<https://alltvads.com/bhajan/lyrics/id/13146/title/mehfil-ruha-di-mere-satguru-laai-hai>

अपने Android मोबाइल पर [BhajanGanga](#) App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |